विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -17 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज समास के बारे में पुनः अध्ययन करेंगे।

कर्मधारय समास

कर्मधारय समास की परिभाषा

वह समास जिसका पहला पद विशेषण तथा दूसरा पद विशेष्य होता है, अथवा एक पद उपमान एवं दूसरा उपमेय होता है, उसे कर्मधारय समास कहते हैं।

इस समास का उत्तरपद प्रधान होता है एवं विगृह करते समय दोनों पदों के बीच में 'के सामान', 'है जो', 'रुपी' में से किसी एक शब्द का प्रयोग होता है।

कर्मधारय समास का विग्रह करने पर दोनों पदों के बीच में 'है जो' या 'के सामान' आते हैं।

उदाहरण-

- चरणकमल = कमल के समान चरण
- नीलगगन =नीला है जो गगन
- चन्द्रमुख = चन्द्र जैसा मुख

जैसा कि आप ऊपर दिए गए उदाहरणों में देख सकते हैं कि दिए गए समास पदों में पूर्व पद एवं उतर पद में विशेषण व विशेष्य या उपमान एवं उपमेय का सम्बन्ध है। अतः ये उदाहरण कर्मधारय समास के अंतर्गत आयेंगे

- पीताम्बर =पीत है जो अम्बर
- महात्मा =महान है जो आत्मा

- लालमणि = लाल है जो मणि
- महादेव = महान है जो देव

ऊपर दिए गए उदाहरणों में जैसा कि आप देख सकते हैं पूर्व पद उत्तर पद की या तो विशेषता बता रहा है या फिर दोनों पदों में उपमेय एवं उपमान का सम्बन्ध है।

जैसे पीताम्बर में आप देख सकते हैं कि वस्त्र के पीले होने कि विशेषता बताई जा रही है, लालमणि में मणि के लाल होने कि विशेषता बताई जा रही है। अतः यह उदाहरण कर्मधारय सामास के अंतर्गत आयेंगे